ये अव्यक्त इशारे

परोपकार की भावना से सम्पन्न बन अपकारियों पर भी उपकार करो

15-07-2024

अपने समय को, सुखों को, नाम, शान, मान सर्व प्राप्ति की इच्छा को कुर्बान कर, लेने की इच्छा को छोड़ देने वाले महादानी बनो तब कहेंगे परोपकार की भावना से सम्पन्न। अपकारी पर उपकार की वृत्ति वही रख सकते हैं जिनका मन स्वच्छ हो। यदि स्वयं के प्रति या अन्य के प्रति व्यर्थ संकल्प आता है तो यह स्वच्छ मन नहीं है। स्वच्छ मन, क्लीन और क्लीयर बुद्धि हो तब परोपकारी बन सकेंगे।

Be full with the feeling of uplifting others and have mercy on those who defame you.

Sacrifice your time, your happiness, name and fame and desire for any attainment. Become the great donors who have renounced the desire to receive, for only then would you be said to be full of the feeling of uplifting others. Only those whose minds are clean can have an attitude of uplifting those who defame them. If you have waste thoughts for yourself or for others, that is not a clean mind. When you have a clean mind and a clean and clear intellect, you can be one who uplifts others.